21-11-2023

चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम होगा शुरु

आज का कानपुर

कानपुर । रिफाइन्ड और विशिष्ट चीनी उत्पादन में पारंगत, सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर अप्रैल 2024 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा।कुछ साल पहले तक, देश में सल्फीटेशन प्रक्रिया द्वारा केवल सफेद चीनी का उत्पादन किया जाता था, लेकिन औद्योगिक उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता और बेहतर गुणवत्ता वाली चीनी के लिए उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, 532 चालू चीनी कारखानों में से लगभग 80 कारखानों ने अपनी उत्पादन प्रक्रिया को रिफाइन्ड चीनी या सल्फर रहित चीनी के उत्पादन में परिवर्तित कर लिया है ।चीनी रिफाइनरियों की प्रसंस्करण तकनीक भिन्न होने के कारण, चीनी इकाइयों को आवश्यक परिचालन स्टाफ मिलने में संकट का सामना करना पड़ रहा है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि प्रतिष्ठित चीनी कंपनियों और शीर्ष संगठनों के साथ बातचीत करने के बाद, हमने चीनी मिलों में पहले से ही काम कर रहे विज्ञान पृष्ठभूमि के 12 वीं पास व्यक्तियों को उनके ज्ञान को उन्नत करने के लिए विषय वस्तु पर तीन महीने की अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार किया है।शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने कहा कि पाठ्यक्रम में 20 सीटें होंगी और इस पाठ्यक्रम को अप्रैल- जून के दौरान आयोजित किया जाएगा जबकि अधिकांश अन्य पाठ्यक्रमों की कक्षाएं बंद रहती हैं, इस प्रकार कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छात्रावास के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्यकता नहीं होगी। संस्थान की अकादमिक परिषद ने पहले ही प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। अतएव हमारा प्रस्ताव मार्च 2024 में इस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का है।

देश मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक [कानपुर नग

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान अप्रैल ,24 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा

दैनिक देश मोर्चा संवाददाता
मनी वर्मा

रिफाइन्ड और विशिष्ट चीनी उत्पादन में पारंगत, सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर अप्रैल 2024 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा कुछ साल पहले तक, देश में सल्फीटेशन प्रक्रिया द्वारा केवल सफेद चीनी का उत्पादन किया जाता था, लेकिन औद्योगिक उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता और बेहतर गुणवत्ता वाली चीनी के लिए उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, 532 चालू चीनी कारखानों में से लगभग 80 कारखानों ने अपनी उत्पादन प्रक्रिया को रिफाइड पीनों पा सल्फर रहित चीनी के उत्पादन में परिवर्तित कर लिया है बीनी रिफाइनरियों की प्रसंस्करण तकनीक भिन्न होने के कारण चीनी इकाइयों को आवश्यक परिचालन स्टाफ मिलने में संकट का सामना करना पड़ रहा है संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि प्रतिष्ठित चीनी कंपनियों और शीर्ष संगठनों के साथ बातचीत करने के बाद, हमने चीनी मिलों में पहले से ही काम कर रहे विज्ञान पृष्ठभूमि के 12 वीं पास व्यक्तियों को उनके ज्ञान को उन्नत करने के लिए विषय वस्तु पर तीन महीने की अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार किया है शिक्षा प्रभारी श्री अशोक गर्ग ने कहा कि पाठ्यक्रम में 20 सीटें होगी और इस पाठ्यक्रम को अप्रैल- जून के दौरान आयोजित किया जाएगा जबकि अधिकांश अन्य पाठ्यक्रमों की कक्षाएं बंद रहती है, इस प्रकार कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छात्रावास के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्णकता नहीं होगी। संस्थान की अकादमिक परिषद ने पहले ही प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। अतएव हमारा प्रस्ताव मार्च 2024 में इस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का है।

एनएसए 'चीनी रिफाइनरी संचालन' पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा

कानपुर (नगर छाया समाचार)। रिफाइन्ड और विशिष्ट चीनी उत्पादन में पारंगत, सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर अप्रैल 2024 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा।

कुछ साल पहले तक, देश में सल्फीटेशन प्रक्रिया द्वारा केवल सफेद चीनी का उत्पादन किया जाता था, लेकिन औद्योगिक उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता और बेहतर गुणवत्ता वाली चीनी के लिए उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, 532 चालू चीनी कारखानों में सेलगभग 80 कारखानों ने अपनी उत्पादन प्रक्रिया को रिफाइन्ड चीनी या सल्फर रहित चीनी के उत्पादन में परिवर्तित कर लिया है ।

चीनी रिफाइनरियों की प्रसंस्करण तकनीक भिन्न होने के कारण, चीनी इकाइयों को आवश्यक परिचालन स्टाफ मिलने में संकट का सामना करना पड़ रहा है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा किप्रतिष्ठित चीनी कंपनियों और शीर्ष संगठनों के साथ बातचीत करने के बाद, हमने चीनी मिलों में पहले से ही काम कर रहे विज्ञान पृष्ठभूमि के 12 वीं पास व्यक्तियों को उनके ज्ञान को उन्नत करने के लिए विषय वस्तु पर तीन

महीने की अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार किया है।

शिक्षा प्रभारी श्री अशोक गर्ग ने कहा कि पाठ्यक्रम में 20 सीटें होंगी और इस पाठ्यक्रम को अप्रैल-जून के दौरान आयोजित किया जाएगा जबकि अधिकांश अन्य पाठ्यक्रमों की कक्षाएं बंद रहती हैं, इस प्रकार कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छात्रावास के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्यकता नहीं होगी। संस्थान की अकादमिक परिषद ने पहले ही प्रस्ताव पर सहमति दे दी है।अतएव हमारा प्रस्ताव मार्च 2024 में इस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का है।

चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा एनएसआई

कानपुर, 20 नवम्बर। रिफाइंड और विशिष्ट चीनी उत्पादन में पारंगत, समक्ष जनशक्ति प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर आगामी अप्रैल-2024 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इस पाठयक्रम में 20 सीटें होगी और मार्च-2024 में इस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि प्रतिष्ठित चीनी कंपनियों और शीर्ष संगठनों के साथ बातचीत की गई। इसकेबाद विज्ञान पृष्ठभूमि के 12वीं पास व्यक्तियों को उनके ज्ञान को उन्नत करने के लिए विषय वस्तु पर तीन महीने की अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी है। संस्थान में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छात्रावास के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की सुविधाएं हैं।

निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

NSI to start short term course on sugar refinery operations

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

In order to provide competent manpower well versed in refined and specialty sugar production, the National Sugar Institute (NSI) will start a short term course on 'Sugar Refinery Operations' from April next year. Till a couple of years ago the country used to produce only white sugar by sulphitation process but to cope with the requirement of industrial users and also considering consumer preferences for better quality sugar out of the 532 operational sugar factories, about 80 factories have converted their process to refined sugar or sulphurless sugar. This was informed by Director NSI Prof Narendra Mohan while addressing presspersons on Monday. He said the processing technique in case of sugar refineries being different, sugar units are facing crisis in getting the required operational staff. He said thus after having a dialogue with reputed sugar companies and apex organisations, the NSI considered starting a three-month duration course on the subject matter for the XIIth pass individuals with science background already working in sugar factories to upgrade their knowledge. He said the course will have 20 seats and will be conducted during April-June when classes for most other courses remain off and hence no additional infrastructure of classrooms, laboratories and hostel will be required. He said the Academic Council of the institute has already consented to the proposal and we propose to conduct the entrance exam for this course in March next year.

WORKSHOP: Parent-teacher meeting is the key component in school education because parents get an opportunity to connect with teachers and discuss about academic progress of their child and to jointly develop strategies to support their child's learning ability. This was stated by Dr Paulomi Roy, Oxford Publications, New Delhi, while addressing a workshop on 'Parent-teacher meetings' at Dolphin Public School on Monday. She said parents can potentially play an important role in their children's overall learning and education both at home and at school. She said policy makers and educational experts have often advocated parents being encouraged to be more involved in their children's academic lives. She said parental involvement with their children's education can occur either at home or at school. She said interactions with teachers such as having parent-teacher meetings in schools improved accountability and transparency, resulting in an improvement in school services. She said parents might be more engaged with children at home if they met teachers regularly to discuss their children's performances, homework, etc. Dr Roy said school, teachers and parents play a vital role in the holistic development of the child. She said parents are the first mentor of the child and teacher is the second. Both have an immense contribution and responsibility in shaping child's personality. She said parents are the child's first role model and they behave, react and imitate same as their parents. She said thus they play an important role in encouraging and motivating their kids to learn. Parent-teacher conferences allow parents and guardians to get a better understanding of their child's strengths and weaknesses and teachers can provide insight into child's academic abilities, areas of improvement and overall progress in the classroom. She said it also helped build a positive relationship between families and teachers. She advised parents to take part in parent-teacher conferences which can encourage their involvement in their child's education. She said it also helped provide an opportunity for parents and teachers to develop a plan for child's academic success. The vote of thanks was proposed by headmistress Pratibha Pandey.

शर्करा संस्थान अप्रैल 2024 से आयोजित करेगा लघु अवधि का चीनी रिफायनरी संचालन पाठ्यक्रम

संवाददाता पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। रिफाइन्ड और विशिष्ट चीनी उत्पादन में पारंगत, सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर अप्रैल 2024 से "चीनी रिफाइनरी संचालन" पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा।

कुछ साल पहले तक, देश में सल्फीटेशन प्रक्रिया द्वारा केवल सफेद चीनी का उत्पादन किया जाता था, परन्तु औद्योगिक उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता और बेहतर गुणवत्ता वाली चीनी के लिए उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, 532 चालू चीनी कारखानों में से लगभग 80 कारखानों ने अपनी उत्पादन प्रक्रिया को रिफाइन्ड चीनी या सल्फर रहित चीनी के उत्पादन में परिवर्तित किया है।

चीनी रिफाइनरियों की प्रसंस्करण तकनीक भिन्न होने के कारण, चीनी इकाइयों को आवश्यक

परिचालन स्टाफ मिलने में संकट का सामना करना पड़ रहा है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि प्रतिष्ठित चीनी कंपनियों और शीर्ष संगठनों के साथ बातचीत करने के बाद, हमने चीनी मिलों में पहले से ही

काम कर रहे विज्ञान पृष्ठभूमि के 12 वीं पास व्यक्तियों को उनके ज्ञान को उन्नत करने के लिए विषय वस्तु पर तीन महीने की अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार किया गया है।

शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने बताया कि पाठ्यक्रम में 20 सीटें होंगी और इस पाठ्यक्रम को अप्रैल-जून के दौरान आयोजित किया जाएगा। जबकि अधिकांश अन्य पाठ्यक्रमों की कक्षाएं बंद रहती हैं, इस प्रकार

कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छात्रावास के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्यकता नहीं होगी। संस्थान की अकादमिक परिषद ने पहले ही प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। हमारा प्रस्ताव मार्च 2024 में इस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का है।

चीनी रिफाइनरी संचालन का नया कोर्स अप्रैल से

कानपुर। चीनी रिफाइनरी संचालन का नया कोर्स नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में शुरू किया जाएगा। यह कोर्स तीन महीने का होगा और इसमें 20 सीटें होंगी। नए पाठ्यक्रम में विज्ञान से इंटर पास छात्र-छात्राएं प्रवेश पा सकेंगे। इसकी कक्षाएं अगले वर्ष अप्रैल, मई और जून में चलेंगी। एनएसआई की अकादमिक परिषद ने इस प्रस्ताव पर सहमति दे दी है।

एनएसआई निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि इस पाठ्यक्रम से रिफाइंड और विशिष्ट चीनी उत्पादन के लिए प्रशिक्षित स्टाफ मिल सकेगा। कुछ साल पहले तक देश में सल्फीटेशन प्रक्रिया से सिर्फ सफेद चीनी का उत्पादन किया जाता था।

एनएसआई निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

उपभोक्ताओं की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए अब 80 कारखाने रिफाइंड और सल्फर रहित चीनी उत्पादन कर रहे हैं। उत्पादन में चीनी इकाइयों को स्टाफ के संकट का सामना करना पड़ रहा है। इंस्टीट्यूट के शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने बताया कि संस्थान में बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। (ब्यूरो)